प्रयुक्त विज्ञान विभाग
मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर

प्रयुक्त विज्ञान विभाग में 'प्रभावी सम्प्रेषण कौशल' विषयक कार्यशाला का आयोजन

विद्यार्थियों के सम्प्रेषण कौशल तथा व्यक्तित्व का विकास करने के उद्देश्य से मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 08-10 मार्च, 2017 के बीच 'प्रभावी सम्प्रेषण कौशल' विषयक त्रिदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया| कार्यशाला का उद्घाटन बुधवार दिनांक 08 मार्च को विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने किया| सम्प्रेषण कौशल एवं प्रस्तुतीकरण के महत्त्व को रेखांकित करते हुए प्रो. सिंह ने छात्र-छात्राओं से कहा कि आप सभी उर्वर मस्तिष्क और असीमित क्षमताओं से लैस हैं और इन क्षमताओं को विकसित होने के लिए आप यह ध्यान रखें कि आप किसी एक विधा में पारंगत हों| सम्प्रेषण से अर्थ केवल भाषिक सम्प्रेषण से नहीं है बल्कि सम्प्रेषण के सभी माध्यमों से है और आप इनमे से कम से कम किसी एक में महारत हासिल करें| कार्यशाला का बीज वक्तव्य दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की सेवानिवृत आचार्य प्रो. विनोद सोलंकी ने दिया| अपने भाषण में उन्होंने कहा कि सम्प्रेषण तभी संभव और सार्थक है जब आप जो संप्रेषित करना चाह रहे हैं वो आप अपने जीवन में भी उतारें, जब आप की कथनी और करनी में द्वैत न हो| इसके पूर्व प्रयुक्त विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. डी. के. द्विवेदी ने मुख्य अतिथि प्रो. ओंकार सिंह का पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया| इसी क्रम में कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अर्जुन दुबे ने बीज वक्ता प्रो. विनोद सोलंकी का पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया और कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. अभिजित मिश्र ने कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं प्रयुक्त विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. डी. के. द्विवेदी का पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया| स्वागत वक्तव्य प्रो. डी. के द्विवेदी ने दिया जबकि कार्यक्रम का सञ्चालन एवं धन्यवाद वक्तव्य आयोजन सचिव डॉ. अभिजित मिश्र ने दिया| द्वितीय सत्र की वक्ता के रूप में बोलते हुए दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की प्रो. अनुभूति दुबे ने कहा कि सम्प्रेषण द्विपक्षीय प्रक्रिया है जोकि भाषिक और अभाषिक दो तरह की होती है| उन्होंने सम्प्रेषण के मनोवैज्ञानिक पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को प्रभावी सम्प्रेषण के गुर सिखाये| इस त्रिदिवसीय कार्यशाला को प्रो. नंदिता सिंह, प्रो. अजय शुक्ल, प्रो. गंगेश्वर राय (सभी अंग्रेजी विभाग, दीदउ गोरखपुर विवि से) एवं, प्रो. नारायण प्रसाद शुक्ल, आई टी एम, गीडा ने संबोधित किया| कार्यक्रम के अंतिम सत्र में छात्र छात्राओं को विभाग की भाषा प्रयोगशाला में सुश्री अपूर्वा सिंह एवं सुश्री अपर्णा सिंह ने भाषा सीखने संबंधी सॉफ्टवेयर से परिचित कराया तथा उसका प्रदर्शन भी किया जिसे छात्रों ने खूब सराहा| कार्यक्रम में विवि सहित अन्य विद्यालयों/ महाविद्यालयों के छात्र एवं शिक्षक सहित कुल 75 से अधिक प्रतिभागी सम्मिलित हुए|

****